भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2245

जिसका उत्तर 12 मार्च, 2025 को दिया जाना है ।

21 फाल्गुन, 1946 (शक)

पीएमजीदिशा के तहत प्रशिक्षित लाभार्थी

2245.श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गोरखपुर जिले में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) के अंतर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या क्या है;

(ख) ग्रामीण आबादी, विशेषकर के दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) जिला में योजना के क्रियान्वयन में क्या चुनौतियां हैं और इनके समाधान के क्या उपाए किए गए हैं;

(घ) गोरखपुर में व्यक्तियों के डिजिटल कौशल को बढ़ाने के लिए स्थानीय संस्थाओं या गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ साझेदारी संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) गोरखपुर में नागरिकों को सशक्त बनाने और डिजिटल समावेशन को बढ़ाने पर पीएमजीदिशा का दीर्घकालिक प्रभाव क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): प्रधानमंत्रीग्रामीणडिजिटलसाक्षरताअभियान (पीएमजीडीआईएसएचए) की शुरुआत उत्तरप्रदेशकेगोरखपुरजिलेसहितराष्ट्रव्यापीस्तर पर 6 करोड़ग्रामीणपरिवारों (प्रतिपरिवारएकव्यक्ति) मेंडिजिटलसाक्षरताका प्रसार करने के लिए की गई थी।योजनाकेतहतप्रशिक्षणऔरप्रमाणनआधिकारिकतौरपर 31 मार्च, 2024 कोसंपन्नहुआ।यहयोजनासीएससीई-गवर्नेंससर्विसेजइंडियालिमिटेडद्वारादेशभरकी 2.52 लाखग्रामपंचायतोंमेंफैले 4.39 लाखसामान्यसेवाकेंद्रोंकेमाध्यमसेलागूकीगईथी।देशभरमें 6 करोड़व्यक्तियोंकी तुलना में 6.39 करोड़व्यक्तियोंकोप्रशिक्षितकियागया।

पीएमजीदिशायोजनाकेतहतउत्तरप्रदेशकेगोरखपुरजिलेमें कुल 2,56,870 उम्मीदवारोंकोप्रशिक्षितकियागयाथा।इसकेअलावा, डिजिटलसाक्षरतापाठ्यक्रम (डीएलसी) योजनाकेतहतपिछले 03 वर्षोंमें 05 मार्च 2025 तकगोरखपुरजिलेमेंकुल 18,964 उम्मीदवारोंकोप्रशिक्षितकियागयाहै।

(ग) और (घ): डिजिटलसाक्षरताप्रशिक्षणकीप्रभावकारिताकोबढ़ानेकेलिए, राष्ट्रीयइलेक्ट्रॉनिकीऔरसूचनाप्रौद्योगिकीसंस्थान (नाइलिट) नेउत्तरप्रदेश (गोरखपुरकोछोड़कर) औरगोरखपुरमेंक्रमशः 4101 और 59 सुविधाकेंद्रस्थापितकिएहैं।

(ड.): राष्ट्रीयनमूनासर्वेक्षणकार्यालय (एनएसएसओ) नेअपने 79वेंदौर (जुलाई, 2022 सेजून, 2023) में 'व्यापकवार्षिकमॉड्यूलरसर्वेक्षण' (सीएएमएस) संचालित किया।सर्वेक्षणकेअनुसार, 15-24 वर्षकीआयुकेव्यक्तियोंमें सेलगभग 78.4 प्रतिशतनेसंलग्नफाइलों (जैसे, दस्तावेज, चित्र, वीडियो) केसाथसंदेशभेजने (जैसे, ई-मेल, संदेशसेवा, एसएमएस) केकौशलकेनिष्पादनकीसूचनादी।इसकेअलावा, लगभग 94.2 प्रतिशतग्रामीणपरिवारोंऔरलगभग 97.1 प्रतिशतशहरीपरिवारोंकेपासटेलीफोनऔर/यामोबाइलफोनहैं।उक्तरिपोर्टसे, ग्रामीणक्षेत्रोंमेंस्मार्ट-फोनकेउपयोग, इंटरनेटपैठऔरडिजिटलजुड़ावमेंउल्लेखनीयवृद्धिकोदेखतेहुए, योजनाकेउद्देश्योंकोसफलतापूर्वकप्राप्तकियागयाथा।

इसकेअलावा, पीएमजीदिशायोजनाकेप्रभावका विश्लेषणतीनएजेंसियोंयानि आईआईटीदिल्ली, सामाजिकविकासपरिषद (सीएसडी) औरभारतीयलोकप्रशासनसंस्थान (आईआईपीए) द्वाराकियागयाथा।पीएमजीदिशा
योजनाकानवीनतमप्रभावमूल्यांकनअध्ययनआईआईपीएद्वाराआयोजितकियागयाथा।मूल्यांकनरिपोर्टका सारयहहैकिपीएमजीदिशाअपनेबड़ेपैमानेऔरदूरस्थरूपसेसंचालितपरीक्षाओंकेउपयोगकेकारणएकअनूठीयोजनाहै।पीएमजीदिशा केतहतप्रदानकिएगएप्रशिक्षणकासूचनाऔरसंचारप्रौद्योगिकी (आईसीटी) औरडिजिटलमीडियाकेअन्यरूपोंकोअपनानेपरमहत्वपूर्णप्रभावपड़ाहै।इसनेविभिन्नउद्देश्योंकेलिएसूचना औरसेवाओंकीएकविस्तृतश्रृंखलातकअपनेप्रतिभागियों कीपहुंचकोसक्षमकरकेउन्हें लाभान्वितकियाहै, जिससेदेशमेंसमग्रडिजिटलविभाजनकोकमकरनेमेंमददमिलीहै।

******